तर्ज--सुनी जो उनके आने की आहट

बना के कारण क्या खूबसूरत,ये साथ अपना बुलाया तुमने
है तेरी मेहर मेरे धनी ये, दीदार सबका कराया तुमने

1-कैसे करें हम इनका स्वागत,ना इनके काबिल है कोई वस्तु
है अपना नाता आतम का इनसे,चरणों मे पलकें बिछाई हमने

2--येही है मिलने का इक बहाना,ये लाड अपना दिखाया तुमने
बिन रूहों के रह नही सकते,ये राज अपना बताया तुमने

3--न सुध तुम्हारी न प्रीत सैयन,भूले हुए थे हम तो सभी कुछ
जो तन तुम्हारे है ये धनी मेरे,अपना निजसुख दिखाया तुमने

4--तुमहो धनी मेरे मैं तेरी अंगना,ये अपना नाता निभाया तुमने
तेरी इनायत है ये पिया जी,भूले जिसे थे वो पाया हमने

5-मिलना बिछुड़ना कब तक रहेगा,
ये खेल क्यों अब और बढ़ाया
ना हो जुदाई जहाँ हम सबकी,
हटा दो दिल से जो दिखाया तुमने

Nijanand App